Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

B/107, Harmu Housing Colony, P. O. Doranda,
P. S. Argora, Ranchi - 834 012
Ph. : 0651-2244144

मीडिया रीलिज

गिर के शेर को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करें :
राज्य सभा सभ्य श्री नथवाणी की अपील

मार्च 13, 2013 : आज राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी ने विश्व प्रसिद्ध गिर के एशियाटिक शेर को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने के लिए प्रश्न काल में मुद्दा उठाया । श्रीमती जयंति नटराजन के स्वतंत्र प्रभारवाले वन और पर्यावरण मंत्रालय ने उत्तर में बताया कि हाल में बाघ राष्ट्रीय प्राणी है और उनके स्थान पर एशियाटिक शेर को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने की कोई दरखास्त विचाराधीन नहीं है ।

गुजरात के गिर के शेरों के लिये श्री नथवाणी के हृदय में अपार प्रेम है । प्रश्न काल में तीसरे नंबर के तारांकित प्रश्न के दौर पर इस प्रश्न को लिया गया था । इस प्रश्न पर खूब महत्वपूर्ण चर्चा होने की आशा जगी थी । परंतु आधे घंटे से भी कम समय में श्रीलंका में तामिल निवासीओं के मानव अधिकार के मुद्दे पर गृह में मचे बबाल के चलते प्रश्न काल स्थगित होने के कारण श्री नथवाणी का यह महत्वपूर्ण प्रश्न खुली चर्चा में न आ सका । इस से निराश न होते हुए श्री नथवाणी तुरंत मंत्री महोदया से मिले और अपनी मांग दोहराई और गिर के शेरों के लिए सरकार से अधिक धनराशि मुहैया कराने का अनुरोध किया ।

सरकार ने लिखित जवाब में बताया कि भारतीय वन्य जीवन बोर्ड की 1972 में मिली बैठक में शेर के बदले बाघ को राष्ट्रीय प्राणी पसंद किया गया था । बाघ की वैश्विक महत्ता और देश के 16 राज्यों में उनकी उपस्थिति के कारण देश में बाघों के संवर्धन की आवश्यकता महसूस की गई थी । जब कि शेर देश में सिर्फ गुजरात राज्य में ही हैं ।

इसके बावजूद सरकार ने इस बात का स्वीकार किया की गिर जंगल विश्व में एशियाटिक सिंहो का एक मात्र निवास स्थान है । गिर राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और बृहद गिर के अन्य क्षेत्रो में वर्ष 2010 में गुजरात सरकार द्वारा की गई गणना के अनुसार अनुमानित 411 शेर दर्ज किये गये थे ।

मंत्रालय ने और जानकारी दे ते बताया कि योजना आयोग ने ''बृहद गिर क्षेत्र में एशियाटिक शेरों के संवर्धन'' प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी । इसका अमल गुजरात सरकार को करना था । रु. 236.63 करोड़ की केन्द्रीय सहायता को मीलकर कुल रु. 262.36 करोड़ की लागत से यह प्रोजेक्ट अमली बनाया गया था । इस प्रोजेक्ट में गिर के जंगल में ईको-प्रवासन को बढावा देने हेतु मूलभूल सुविधाओं को खड़ा करने का समावेश किया गया था ।

श्री नथवाणी गिर अभयारण्य और एशियाटिक शेरों के चाहक हैं और मानते हैं कि गिर के शेर को एक राष्ट्रीय प्राणी बनाने के ठोस कारण हैं । उन्होंने बताया कि हमारे राष्ट्रीय मुद्रालेख में भी शेरों की प्रतिकृति है । यह एक मात्र कारण ही शेर को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने के लिए काफी है । आपने बताया कि गिर के शेरों के हित में वे नियमित रूप से सवाल उठाते रहेंगे । आपने आशा व्यक्त की कि प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में जिस प्रकार 'टाईगर प्रोजेक्ट' चल रहा है उसी तरह से एक और सशक्त 'प्रोजेक्ट गिर लायन' भी होना जरूरी है ।

★ ★ ★